स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश

नगर की खबर
नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश
2023

स्वच्छता टाइम्स

अंक 8 दिनांक: 15 मार्च 2023

श्री ए0 के0 शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश के नगरों को वैश्विक नगरों के अनुरूप बनाने की ओर तेजी से अग्रसर है। आमजन को नगरीय सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं माहौल उपलब्ध कराने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। आज का उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 व तमाम महानगरों में जी-20 की बैठकों के सफल आयोजन का साक्षी बन रहा है। इन विशाल आयोजनों में शामिल होने आए देशी-विदेशी मेहमान साफ-सफाई व्यवस्था के कायल हुए हैं, यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन हमें रुकना नहीं है, आगे बढ़ते रहना है। साफ-सफाई के बाद अब कचरा निस्तारण के प्रति ध्यान केंद्रित करना है। इसके साथ ही जल संरक्षण के प्रति भी आमजन को जागरूक करना है, यह हमारे भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

अंदर पढ़ें

1 **स्वच्छता के नए 'निशान', आठ माह 23 अभियान** पेज 4

2 **मुख्य सचिव ने की मशाल मार्च की अगुवाई** पेज 8

स्वच्छता पथ पर उत्तर प्रदेश अग्रसर

माननीय मंत्री श्री ए.के शर्मा के दिशा निर्देशन में नगर विकास विभाग ने एक साल में किए कई ऐतिहासिक कार्य

लखनऊ। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन और माननीय नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग ने एक साल में ऐतिहासिक कार्य किए। विभाग प्रदेश के नगरों को GOOD to GREAT बनाते हुए वैश्विक-Gcity बनाने की ओर अग्रसर है। माननीय नगर विकास मंत्री जी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि G20 और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आये हुए देश और विदेश के मेहमान प्रदेश के नगरों की सफ़ाई-स्वच्छता-सुंदरता के कायल होकर गये। उन्होंने तो यहां तक कहा कि यूपी की स्वच्छता के चलते पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन हुआ है।

बीते एक वर्ष में मंत्री श्री ए. के. शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता हेतु दैनिक सफ़ाई पर ज़ोर दिया गया। डेडिकेटेड कंट्रोल व कमांड सेंटर (DCCC) से प्रातः काल 5 बजे से साफ सफाई के कार्य की एक-एक क्षण की मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई। सुबह की सफ़ाई के साथ स्वच्छता के इस कार्य को जन आंदोलन बनाया। सफ़ाई मित्रों और अधिकारियों की निष्ठा आमजन की सहभागिता से नगरीय क्षेत्रों में प्रातः काल 5:00 बजे साफ-सफाई सुनिश्चित की जा रही है। नगरीय क्षेत्रों के व्यस्त इलाकों, बाजारों समेत अन्य संस्थानों में दोपहर एवं शाम को भी सफ़ाई की जा रही है। माननीय

मंत्री जी के नेतृत्व में स्वच्छता के इस महाअभियान में मनुष्य के साथ मशीन का भी भरपूर उपयोग किया गया।

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में वर्षों से जमे कूड़े के ढ़ेरों को साफ कर उनके सौंदर्यीकरण के लिए विशेष अभियान चलाए गए। गंदगी से पटे रहने वाले स्थानों का सुशोभन किया गया। नगरों के हजारों चौराहों, जलाशयों का सुंदरीकरण किया गया। नए उद्यान, सुंदर पार्क एवं नए अमृत सरोवर विकसित करके नगरों को उत्कृष्ट बनाने पर जोर दिया गया। नव रचित नगर पंचायतों में विकास कार्य के लिए नई योजना बनाकर बजट आवंटन किया गया। नए निकायों की अल्प क्षमता के मद्देनज़र उन्हें मदद करने के लिए बड़े नगर निगमों से उनका जुड़ाव भी सुनिश्चित किया गया। डेंगू के रोग एवं बरसाती पानी की समस्याओं से निपटने के लिए पूर्व आयोजन और प्रभावी कार्य किए गए। बिखरी पड़ी योजनाओं को देखने-चलाने के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट-PMU की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस एक साल में कुछ कठोर फैसले भी लिए गए। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ विशेष अभियान चलाए गए। व्यापारियों एवं नागरिकों को गंदगी न करने की हिदायत दी गई। लोगों को यहां-वहां थूकने पर जुर्माना लगाने तक की कार्रवाई की गई। इन प्रयासों को जनता के ओर से भी खुलकर समर्थन मिला।

स्वच्छता-सफ़ाई: एक जन आंदोलन...

- नगरों की स्वच्छता के लिए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता-सेवा अभियान चलाया गया।
- 9 अक्तूबर-वाल्मीकि जयंती को सफ़ाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान दिवस के रूप में मनाकर उन्हें सम्मानित किया गया।
- 1 से 15 नवंबर तक नगर सेवा पखवाड़ा मनाया गया जिसमें सार्वत्रिक सफ़ाई की गई।
- 16 से 30 नवंबर तक नगर सेवा अभियान चलाया गया जिसमें पुनः सफ़ाई पर ज़ोर दिया गया।
- 1 से 3 दिसंबर परंपरागत कूड़े के ढेर -GVP दूर करने के लिए 75 घंटे, 75 जिले, 750 निकाय अभियान चलाकर 3080 कूड़े के ढेरों को दूर किया गया
- इन साफ़ की गई जगहों के स्थाईकरण हेतु 5 से 12 दिसंबर तक नगर सुशोभन अभियान चलाया गया
- जनवरी से मार्च 2023 तक Gcity अभियान अपने नगरों को विश्व कक्षा का बनाने के लिए
- 10तक अभियानः घर से कूड़ा समय पर और अलग करके मिल जाय इसके लिए अभियान
- मैं नहीं पीकू-थूकने वालों से बचने के लिए अभियान

मुख्यमंत्री ने 3838 करोड़ रुपये की 172 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया

सामर्थ्य और संभावना को प्रदर्शित करती हैं करोड़ों की योजनाएं : सीएम योगी

गोरखपुर। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक दौर वह भी था जब जनता पांच-दस लाख रुपये की सड़क बनने पर खुश होकर उसीको नियति मान लेती थी। आज एक साथ हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत होती है। यह हमारे सामर्थ्य को प्रदर्शित करता है। साथ ही रोजगार की संभावनाओं को भी आगे बढ़ाता है। सीएम योगी 28 मार्च को 3838 करोड़ रुपये की 172 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास-लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर एक नए गोरखपुर के रूप में उभर रहा है। यहां एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। 14 फ्लाइट से संख्या और बढ़ने वाली है। चौड़ी सड़कें, साफ-सफाई, एम्स, खाद कारखाना, फोरलेन, सिक्सलेन, शहर के चारों तरफ रिंग रोड जैसी परियोजनाएं विकास को और आगे ले जाने में सफलता दिलाएंगी। शहर सुंदर और आकर्षण का केंद्र बने, इसके लिए ऐसी कई परियोजनाएं आएंगी। खोराबार क्षेत्र को जलजमाव से मुक्त करने की दिशा में तरकुलानी रेगुलेटर के निर्माण का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इससे कई गांवों में जलजमाव की दिक्कत दूर हो गई है। जल्द ही रामगढ़ताल से तरकुलानी रेगुलेटर तक नाले की ड्रेजिंग भी हो जाएगी। इससे जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान होगा और खोराबार क्षेत्र के एक भी गांव में

जलजमाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने शहर में जलनिकासी की समस्या के समाधान के लिए गोड़धोइया नाला परियोजना का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री योगी ने इसी दिन नगर निगम की 119 कूड़ा कलेक्शन वैन को भी हरी झंडी दिखाई। यह कूड़ा कलेक्शन वैन घर-घर कचरा उठान व्यवस्था को और मजबूत करने में सहभागी साबित होंगी।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

श्री राकेश राठौर 'गुरू'
माननीय नगर विकास राज्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के नगरीय परिवेश में गुणात्मक बदलाव की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। निकायों में नियमित घर-घर कचरा उठान से उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल गई है। स्वच्छ भारत मिशन के प्रयासों से आमजन स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं। लेकिन अब हमें जल के संरक्षण पर तेजी से कार्य करने की आवश्यकता है। इस कार्य में जन जागरूकता हमारी सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकती है। हमें स्वच्छता के मामले में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है।

श्री अमृत अभिजात
प्रमुख सचिव नगर विकास

नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता की अलख जगाने के बाद अब कचरा निस्तारण एवं जल प्रबंधन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। सफाई मित्रों द्वारा नगरीय निकायों में घर-घर कचरा उठान का कार्य समयबद्ध संपन्न किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के नगरीय परिवेश में गुणात्मक परिवर्तन का यही मूल आधार है। हमारे सफाई मित्र पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ स्वच्छता कार्य को अंजाम दे रहे हैं। 10तक डोर टू डोर अभियान के फलस्वरूप घरों से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग प्राप्त हो रहा है। लेकिन अभी इस दिशा में हमें बहुत अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने के फायदे हमें जन-जन तक पहुंचाने होंगे। इसके अलावा जल प्रबंधन के क्षेत्र में हमें तेजी से आगे बढ़ना होगा। जल के समुचित प्रबंधन से ही हम भविष्य की जल आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। हमें शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। लगातार गिर रहे भूगर्भ जलस्तर को हम इससे बढ़ा सकते हैं।

लिगेसी वेस्ट के निस्तारण पर बैठक का आयोजन

प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ। स्थानीय निकाय निदेशालय में एक अप्रैल को लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात जी ने की। उन्होंने अधिकारियों को लिगेसी वेस्ट के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि हमें कचरा उठान के साथ-साथ कचरे के निस्तारण पर विशेष ध्यान देना है। लिगेसी वेस्ट का निस्तारण का कार्य बेहद गंभीरता से सुनिश्चित किया जाए। कहा कि लिगेसी वेस्ट के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं पर कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा प्रमुख सचिव महोदय को बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत प्रदेश के 18 नगरीय निकायों को लम्बे समय से सड़ रहे पुराने कचरे (लिगेसी वेस्ट) से निजात मिल गई है। इन नगरीय निकायों की लिगेसी वेस्ट साइट्स से 25 लाख टन कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया गया है। 18 निकायों द्वारा लिगेसी वेस्ट का निस्तारण करते हुए मूल्यवान भूमि कूड़े से मुक्त करते हुए अन्य कार्यों में प्रयोग की जा रही है।

इसी तरह नगर पालिका बरूआसागर द्वारा लिगेसी वेस्ट से मुक्त भूमि का उपयोग एमआरएफ के निर्माण एवं शौचालय के निर्माण में किया गया। नगर पालिका परिषद मिर्जापुर द्वारा 8803 टन लिगेसी वेस्ट का निस्तारण किया गया। यहां कूड़े के ढेर के स्थान पर अब एमआरएफ सेंटर के साथ ही गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट बनाए जा रहे हैं।

कूड़ा निस्तारण में लापरवाही करने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई शुरू

रायबरेली व बाराबंकी में कूड़ा निस्तारण के लिए मे. एकार्ड हाइड्रो एयर प्राइवेट लिमिटेड से किया था अनुबंध

लखनऊ। स्वच्छता कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती शुरू हो गई है। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय उत्तर प्रदेश के अंतर्गत बाराबंकी एवं रायबरेली में अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट के संचालन में लापरवाही बरतने वाली संस्था को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मिशन निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा ने इस आशय का पत्र जल निगम के प्रबंध निदेशक व सीएंडएस के निदेशक को भेजा है। पत्र में मिशन निदेशक ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के तहत नगर पालिका परिषद नवाबगंज एवं नगर पालिका परिषद रायबरेली के जैतूपुर में कूड़ा निस्तारण प्लांट स्थापित किया गया था। जिसके संचालन का अनुबंध मे. एकार्ड हाइड्रो एयर प्राइवेट लिमिटेड से किया गया था। बताया कि बाराबंकी की नगर पालिका परिषद नवाबगंज क्षेत्र में स्थापित कूड़ा निस्तारण प्लांट में संस्था द्वारा अपशिष्ट निस्तारण का कार्य नहीं किया जा रहा था। जिस कारण कचरे का भारी ढेर लग गया। प्लांट का छह नवम्बर 2022 को जिलाधिकारी बाराबंकी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण में प्लांट के अक्रियाशील मिलने के साथ ही लगभग 2 लाख टन कूड़ा एकत्रित मिला। जिस पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए 15 दिनों के भीतर प्लांट के सुचारू संचालन के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका परिषद द्वारा संस्था को नोटिस जारी किया गया। जिसके बाद संस्था द्वारा कचरा निस्तारण का कार्य करने के बजाय अनावश्यक एवं तथ्यहीन पत्राचार किया गया। संस्था के मनमानी करने पर नगर पालिका परिषद द्वारा मे. एकार्ड हाइड्रो एयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अनुबंध रद करने का अनुरोध किया गया। मिशन निदेशक ने बताया कि इसी तरह नगर पालिका परिषद रायबरेली क्षेत्रान्तर्गत जैतूपुर स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट के संचालन में भी लापरवाही बरती गई। यहां उक्त संस्था द्वारा अनुबन्ध की नियम शर्तों का उल्लंघन करते हुए प्लांट में कूड़ा निस्तारण का कार्य बंद कर दिया गया। बार-बार पत्राचार के बावजूद प्लांट का संचालन शुरू नहीं किया गया। जिस कारण कूड़ा प्लांट में अत्यधिक कूड़ा एकत्रित हो गया एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा काफी रोष व्यक्त किया गया। इतना ही नहीं, मे. एकार्ड हाइड्रो एयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा परिसर को खुला छोडकर बिना किसी सूचना के समस्त कर्मचारियों को भी हटा लिया। जिसके दृष्टिगत अनुबन्ध निरस्त कर पर्यावरण क्षतिपूर्ति व एनजीटी नियमों के तहत 30 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

संचारी रोगों के खिलाफ अभियान शुरू

लखनऊ। प्रदेश में एक अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलेगा। इसके बाद 17 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलेगा। निदेशका स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत नगरीय क्षेत्रों में साफ सफाई एवं जलभराव निस्तारण की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाएगा। विद्यालयों में रोगों से बचाव तथा रोकथाम के लिए जागरूकता से संबंधित गतिविधियां होंगी। साथ ही मच्छर, चूहे, छछूंदर इत्यादि पर नियंत्रण को लेकर गतिविधियां संचालित होंगी। इसके अलावा पशु बाड़ों एवं सूकर बाड़ों को आबादी से दूर स्थापित करना तथा साफ सफाई की व्यवस्था को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा इस दौरान सभी निकायों में संचारी रोगों के रोकथाम के लिए नियमित तौर पर कीटनाशकों का छिड़काव इत्यादि सुनिश्चित किया जाएगा। बताया कि दस्तक अभियान के तहत मेडिकल टीमें घर-घर जाकर संक्रामक रोगों से ग्रसित मरीजों की पहचान करेंगी। इस टीम में आशा कार्यकर्ता के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल रहेंगे। टीम की मदद से रोगियों को चिन्हित कर उन्हें दवा दी जाएगी और जरूरी होने पर अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। दस्तक अभियान के दौरान कुपोषित

बच्चों की जानकारी भी इकठ्ठा की जाएगी। इसके अलावा टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोजकर उनकी जांच कराई जाएगी। हाई रिस्क क्षेत्रों व दस्तक अभियान के दौरान घर-घर टीमों के सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित क्षेत्रों में फॉगिंग की जाएगी। बताया कि प्रदेश को संचारी रोगों से मुक्त बनाने के लिए नगर विकास विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नगर विकास मंत्री ने नगरीय निकाय चुनाव की अनंतिम अधिसूचना जारी की

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए महापौर, अध्यक्षों, सभासदो व पार्षदों का चुनाव कराने के लिए आरक्षण की अनंतिम अधिसूचना 30 मार्च को जारी कर दी है। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 762 नगरीय निकाय में से 760 में ही चुनाव होंगे। इसमें 17 नगर निगमों के महापौर, 199 नगर पालिका परिषदों तथा 544 नगर पंचायतों के अध्यक्ष और कुल 13,965 वार्डों में सभासद/पार्षद का चुनाव कराने के लिए आरक्षण की अनंतिम अधिसूचना जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आपत्तियों के संबंध में प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को सम्बोधित करते हुए लिखित आपत्तियां 06 अप्रैल 2023 तक निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, प्रेषित की जा सकती हैं महराजगंज की सिसवां बाजार व बस्ती की भानपुर नगर पंचायत का मामला कोर्ट में लंबित होने के चलते आरक्षण की घोषणा नहीं की गई है।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

निदेशक की कलम से...

श्रीमती नेहा शर्मा
निदेशक, स्थानीय निकाय

कचरा एकत्रीकरण एवं निस्तारण को लेकर जन जागरूकता के सुखद परिणाम हमारे सामने आ रहे हैं। आमजन अपने-अपने घरों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश कचरे के समुचित निस्तारण की दिशा में देश में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। स्वच्छता कार्य में पुरूषों से कहीं अधिक महिलाएं योगदान दे रही हैं। इसके लिए विभाग द्वारा महिलाओं को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ और समृद्ध प्रदेश बनाने के लिए हमें तेजी से आगे बढ़ते रहना है। आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ ही सफाई मित्रों को भी प्रोत्साहित करते रहना होगा। इसके अलावा होम कंपोस्टिंग कचरे के समुचित निस्तारण की दिशा में कारगर साबित होगी। विभाग द्वारा होम कंपोस्टिंग के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इससे एक ओर आमजन में स्वच्छता को लेकर नई अलख जगी है वहीं दूसरी ओर घरों से निकलने वाले गीले कचरे का निस्तारण घरों में ही संभव हो रहा है। लेकिन इस दिशा में अभी और प्रयास की आवश्यकता है।

जल संरक्षण पर निरन्तर ध्यान देना होगा: श्री ए.के. शर्मा

नगरीय निकाय निदेशालय में सतत और समावेशी स्वच्छता और सबके लिएजल'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि जल की महत्ता की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व जल दिवस मनाया जाता है और जल के संरक्षण, संवर्द्धन, संचय एवं शुद्धता के लिए लोगों को जागरूक कर संकल्प दिलाया जाता है लेकिन भारतीय संस्कृति में सदियों से जल ही जीवन है, जल ही अमृत है माना जाता है। यहां पर जल की पवित्रता इतनी है कि इसे पंचभूतों में से एक कहा गया है। भगवान का अभिषेक एवं संकल्प भी प्रतिदिन लोग जल से ही करते हैं।

जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए वातावरण को स्वच्छ बनाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस समय त्योहारों का समय है। पूजा एवं धार्मिक स्थलों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। सभी निकायों में भी साफ-सफाई के लिए स्वच्छ नवरात्रि का अभियान चलाया जाय। इसके पहले भी त्योहारों को स्वच्छता के साथ मनाया गया है।

नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने 22 मार्च को नगरीय निकाय निदेशालय में विश्व जल दिवस के अवसर पर "सतत और समावेशी स्वच्छता और सबके लिए जल" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर नगर विकास राज्यमंत्री श्री राकेश राठौर 'गुरू' भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश को 90 प्रतिशत तक स्वच्छ बना दिया है, शेष 10 प्रतिशत स्वच्छता के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पानी के समुचित प्रयोग पर बल दिया।

श्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि इसमें आमजन की सहभागिता जरूरी है। हम सभी को अपने आसपास साफ-सफाई, सुन्दरीकरण एवं जल संरक्षण व शुद्धता पर निरन्तर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरों को वैश्विक नगर बनाये जाने का अभियान चल रहा है। इसी का परिणाम रहा कि जी-20 एवं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान आये विदेशी मेहमानों ने भी लखनऊ और आगरा की प्रशंसा की। नगर विकास मंत्री ने इस अवसर पर अमृत योजना के अन्तर्गत 04 नगर निगमों, 21 नगर पालिका परिषदों के लिए कुल 32 केएलडी क्षमता की 10575.32 लाख रूपये की लागत से निर्मित 25 फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया। साथ ही 06 नगर निगमों एवं 04 नगर पालिका परिषदों के लिए 25/50/100 केएलडी क्षमता के 1260.77 लाख रूपये की लागत से निर्मित 10 को-ट्रीटमेंट प्लांट का भी लोकार्पण किया।

आओ बनाएं स्वच्छ भारत और जल से परिपूर्ण भारत : कौशल किशोर

लखनऊ। विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को स्थानीय निकाय निदेशालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन आवासन और शहरी कार्य के राज्य मंत्री कौशल किशोर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छ भारत, अमृत काल वाला भारत और जल से परिपूर्ण भारत बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए जल संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने के कार्य में दिन रात जुटे सफाई मित्रों की सराहना भी की। इससे पहले निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय श्रीमती नेहा शर्मा ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने से 75 सप्ताह पूर्व आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 75-75 तालाबों को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया गया। जिससे बारिश के पानी का एकत्रीकरण सुनिश्चित किया जा सके। तालाबों में बारिश के पानी के एकत्रीकरण से भूजल का स्तर बढ़ेगा और आमजन के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। कहा कि हमें बारिश के पानी को रोकने के लिए और कारगर कदम उठाने होंगे।

शहरों में आमजन को वाटर हार्वेस्टिंग के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। आवासन और शहरी कार्य के राज्य मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन नगरीय उत्तर प्रदेश के तहत साफ-सफाई के कार्य में जुटे सफाई मित्रों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को सफाई मित्रों का सम्मान करना चाहिए। वे आपके द्वारा फैलाई गई गंदगी साफ करते हैं। इनकी मेहनत के बल पर ही आज उत्तर प्रदेश में बदलाव नजर आ रहा है।

जल संरक्षण जीवन के लिए बहुत आवश्यक है : श्री दुर्गा शंकर मिश्र

स्थानीय निकाय निदेशालय में आयोजित कार्यशाला में मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि जल संरक्षण जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। स्वस्थ शरीर के लिए शुद्ध जल भी उतना ही जरूरी है जितना कि भोजन। प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त 2014 को 'स्वच्छ भारत' का संकल्प लिया था। इसकी सफलता को देखते हुए अक्टूबर 2021 में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की शुरूआत की गई। उन्होंने शहरों को स्वच्छ बनाने के लिए सीवरेज सिस्टम को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ प्रयुक्त जल को ट्रीटमेंट करते हुए शुद्ध जल में परिवर्तित करने पर जोर दिया।

नगर विकास मंत्री से मिले अमेरिकन एम्बेसी के मिनिस्टर काउंसलर

विभिन्न क्षेत्रों में व्यापारिक साझेदारी बढ़ाने एवं निवेश को लेकर हुई चर्चा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा से 29 मार्च को देर शाम उनके आवास पर भारत में संयुक्त राज्य अमेरिकन एम्बेसी के राजनीतिक मामलों के मिनिस्टर काउंसलर मि. ग्राहम डी मेयर ने प्रदेश में व्यापारिक भागीदारी बढ़ाने एवं निवेश को लेकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच रक्षा उत्पाद, हेल्थ, मेडिकल डिवाइसेस, ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा, सौर ऊर्जा, एवं शिक्षा जैसे तमाम क्षेत्रों में व्यापारिक भागीदारी बढ़ाने एवं निवेश को लेकर चर्चा हुई। श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में विश्व समुदाय के पास भारत के साथ व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाने का अच्छा अवसर है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में बेहतर सुशासन, राजनीतिक स्थायित्व एवं अच्छी कानून व्यवस्था है। 25 करोड़ की आबादी वाला हमारा प्रदेश एक अच्छा मार्केटिंग हब बन चुका है। मिस्टर ग्राहम डी मेयर ने चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता की बदौलत भारत एक उभरता हुआ वैश्विक शक्ति बन गया है।

भारत की बात को पूरी दुनिया बहुत महत्व देती है। अमेरिकन कंपनियां भारत में व्यापारिक साझेदारी बढ़ाने की इच्छुक हैं। वर्तमान में चीन के यहां से अमेरिकन कंपनियां भारत की ओर रुख कर रहीं हैं। कहा कि देश के सबसे बड़े राज्यउत्तर प्रदेश में भी निवेश करने में कोई समस्या नहीं है। यहां पर निवेश करने और उद्योग लगाने की असीम संभावनाएं हैं।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

स्वच्छता के नए 'निशान', आठ माह 23 अभियान

स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत अगस्त 2022 से मार्च 2023 के आठ महीनों के बीच 23 अभियान चलाए गए

लखनऊः प्रदेश के समस्त जनपदों की नगर निकायों में नगरीय सुविधाओं के स्तरोन्नयन नगरों के सौन्दर्यीकरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता करने हेतु स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत निरंतर जन जागरूकता अभियान चलाए गए। अगस्त 2022 से मार्च 2023 के आठ महीनों के बीच 23 अभियान चलाए गए। माह जनवरी 2023 से 100 दिवसीय उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर (UP G Cities) अभियान चलाया जा रहा है उक्त अभियान के द्वारा राज्य के नगरों को Good to Great बनाने का तत्पर प्रयास किया जा रहा है साथ ही राज्य के नगरों को वैश्विक मापदण्ड पर भी श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी कड़ी में वैश्विक नगर (UP G Cities) के जिसके अन्तर्गत इन अभियानों को जन जागरूकता फैलाने हेतु चलाया गया है।

1 हर घर तिरंगाः घर-घर पहुंचा तिरंगा

आजादी के 75 साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय प्रोत्साहन के लिए 13 से 15 अगस्त के बीच घर घर तिरंगा अभियान मनाया गया। इसके माध्यम से घर-घर तक स्वच्छता के संदेश को पहुंचाया गया। सफाई मित्रों के द्वारा घर-घर जाकर लोगों को हर घर तिरंगा अभियान के साथ स्वच्छता अभियान से जुडने की अपील की गई। सभी निकायों के स्तर पर आईईसी गतिविधियों के माध्यम से आम जन को जागरूक करने का काम किया गया।

2 इंडियन स्वच्छता लीगः प्रयागराज, अलीगढ़, मेरठ राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वच्छता की प्रतिबद्धता को विस्तृत रूप देने हेतु 17 सितम्बर 2022 को इंडियन स्वच्छता लीग की शुरूआत की गई। 2 अक्टूबर 2022 तक चले इस अभियान में युवाओं के नेतृत्व में कचरा मुक्त शहरों के निर्माण के लिए पहली इंटर सिटी प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्य स्तर पर सभी नगरीय निकायों में इस प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। वहीं, प्रदेश के 300 निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रयागराज, अलीगढ़ और मेरठ को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया।

3 स्वच्छता जनसम्पर्क यात्राः 1 लाख किलोमीटर का सफर किया तय

प्रदेश में 29 सितम्बर 2022 से 02 अक्टूबर 2022 तक स्वच्छता और स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 पर जागरूकता फैलाने के लिए बाइक रैली का आयोजन किया गया। कानपुर, बरेली, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर से निकलकर युवा लखनऊ पहुंचे। पूरे प्रदेश में रैली का आयोजन किया गया जिसमें 100000 कि0मी0 की स्वच्छता यात्रा तय की गई। 2 अक्टूबर 2022 को लखनऊ के 1090 चौराहे पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में माननीय नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा जी द्वारा इन युवाओं को सम्मानित किया गया।

4 जीरो वेस्ट छठ पूजाः 100 फीसद कूड़े का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण

स्वच्छ त्यौहार महोत्सव के छठ पूजा को जीरो वेस्ट बनाने के लिए अक्टूबर 2022 में विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया। श्रद्धालुओं को पवित्र जल निकायों में पूजा सामग्री की डंपिंग को रोकने के लिए जागरूक किया गया। पूजा स्थल को जीरो वेस्ट बनाने के साथ ही यहां प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिए प्रेरित किया गया। घाटों के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित की गई। स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। घाटों से उत्सर्जित 100 फीसद कूड़े का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण भी सुनिश्चित किया गया।

5 स्वच्छ वार्ड प्रतिस्पर्धाः उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 निकाय सम्मानित

प्रदेश के नगरीय निकायों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नवम्बर 2022 में स्वच्छ वार्ड प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। लखनऊ में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर 11 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों को सभी वर्गों में सम्मानित किया गया। इनमें, चार नगर निगम, चार नगर पालिका परिषद और तीन नगर पंचायतों को सम्मानित किया गया।

6 स्वच्छता के दो रंगः 7255 स्कूलों के बच्चों को जोड़ा गया

घरों में कूड़े के पृथक्कीकरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अक्टूबर 2022 में स्वच्छता के दो रंग अभियान की शुरूआत की गई। प्रदेश भर में घरों में गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग एकत्र करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली बच्चों को सीधे तौर पर इस अभियान से जोड़ा गया। प्रदेश के 7255 स्कूलों के बच्चे सीधे तौर पर इस अभियान से जोड़े। यह देश भर में सर्वाधिक संख्या रही।

7 विश्व शौचालय दिवसः CT/PT में ODF+ के मानक सुनिश्चित किए गए

बाल दिवस और विश्व शौचालय दिवस (19 नवम्बर 2022) में स्कूली बच्चों को केन्द्र बिंदू में रखते हुए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूलों में बच्चों को हैंडवाश के प्रति जागरूक किया गया। प्रदेश भर में सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चला। स्कूलों में बच्चों को जागरूक किया गया। सभी CT/PT में ODF+ के मानक सुनिश्चित किए गए।

8 प्रदेश में प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के रोकथाम हेतु प्रतिबद्ध है नगर विकास विभाग

पर्यावरण वन और जल वायु प्रवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 12 अगस्त 2021 के तहत देश में 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया। इसके क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार का नगर विकास विभाग प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के रोकथाम हेतु प्रतिबद्ध है। निरंतर किए जा रहे प्रयासों के साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसमें, न केवल प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक करने वाले उपभोक्ताओं पर ही नहीं बल्कि चोरी छिपे उत्पादन करने वालों पर भी शिकंजा कसा गया। विभाग सिर्फ दंड़ात्मक कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल से पर्यावरण और समाज को होने वाले नुकसानों के प्रति आम जन को जागरूक करने के लिए निरंतर आईईसी गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत प्रदेश में अगस्त 2022 में विशेष अभियान आरम्भ की शुरूआत की गई। अभियान को सफल बनाने के लिए राज्य मिशन निदेशक द्वारा समय समय पर वर्चुअल बैठक के माध्यम से दिशा निर्देश निर्गत किए गए। अभियान एक महीने तक चला। 25 सितंबर 2022 को समापन किया गया। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश की समस्त निकायों के द्वारा 16,230 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त की गई और 55.65 लाख रूपये का जुर्माना उल्लंघनकर्ताओं पर लगाया गया।

9 75 घंटे के महाअभियान ने कचरे के ढेरों का किया खात्मा

प्रतिबद्ध : 75 जनपद 75 घंटे 750 निकाय' अभियान के तहत 3080 गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट समाप्त किए गए

लखनऊ। नगरीय क्षेत्र को सुदंर एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 'प्रतिबद्ध : 75 जनपद 75 घंटे 750 निकाय' अभियान शुरू किया गया। इसकी शुरुआत एक दिसंबर 2022 को लखनऊ के हुसैनगंज स्थित गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट (जीवीपी) को नगर निगम लखनऊ द्वारा पूर्णत: विलोपित कर स्वच्छ एवं सुंदर स्थान में परिवर्तित किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा जी द्वारा प्रतिभाग कर की गई। 75 घंटे के इस अभियान को लेकर माननीय मंत्री जी की निरंतर सक्रियता के चलते यह अभियान अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा। इस अभियान के तहत प्रदेश के 750 निकायों में 3080 गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट (जीवीपी) को पूर्णत: विलोपित करते हुए स्वच्छ स्थान में परिवर्तित किया गया। अभियान में छोटे-बड़े 5903 वाहन 29970 मैन पावर का प्रयोग करते हुए 1710621 किलोग्राम गीला कूड़ा, 2190081 किलोग्राम सूखा कूड़ा तथा 1453949 किलोग्राम सीएंडडी वेस्ट को अलग कर वैज्ञानिक रूप से निस्तारित किया गया।

5354.6 टन एकत्र कचरा निस्तारित किया गया।

16 लाख आमजन ने सक्रिय जन सहभागिता निभाई।

50 साल पुराना कचरे का ढेर खत्म, बन गया सेल्फी प्वाइंट

इस अभियान के तहत सहारनपुर नगर निगम द्वारा शहर के बूढ़ी माई चौक के पास 50 वर्षों से जमा कूड़े के ढेर को समाप्त किया गया। जिससे नगरवासियों में काफी खुशी है। स्थानीय पार्षद मंसूर बदर बताते हैं प्रतिबद्ध अभियान के तहत 50 वर्षों से जमा कचरे का ढेर समाप्त कर उक्त स्थान पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया। जिससे नगरीय शोभा बढ़ रही है। 50 वर्षों से लगा कचरे का ढेर स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया था। कूड़े के ढेर से उठने वाली दुर्गन्धि राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए बहुत बड़ी समस्या थी। लेकिन 75 घंटे के अभियान ने सालों-साल पुरानी गंदगी का खात्मा कर दिया। उन्होंने बताया कि यहां स्थानीय घरों की पहचान यह कूड़ाघर था। घर का पता बताने के लिए लोग इस कचरे के ढेर का सहारा लेते थे। लेकिन अब यह पहचान पूरी तरह खत्म हो चुकी है। आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए यह कचरे का ढेर परेशानी का सबब लंबे अरसे से बना हुआ था लेकिन नगर निगम द्वारा इस कचरे के ढेर को समाप्त कर यह साबित कर दिखाया गया है कि यदि इरादे मजबूत हो तो कुछ भी किया जा सकता है।

सराहनीय पहल ने बदली नगरीय क्षेत्र की तस्वीर

एडवोकेट विश्वजीत तिवारी कहते हैं कि कचरे के ढेर को समाप्त कर उन स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट, पार्क व नेकी की दीवार इत्यादि बनाई गई, यह उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। अब गंदगी की दुर्गन्धि नहीं बल्कि वातारवरण में स्वच्छता की सुगंध फैल रही है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाए गए इस अभियान का असर धरातल पर साफ देखा जा सकता है। यह एक सराहनीय पहल है। इससे नगरीय सौंदर्य में बहुत बदलाव आया है। 'प्रतिबद्ध' अभियान उत्तर प्रदेश के नगरीय सौंदर्य को बढ़ाने में पूरी तरह से सफल हुआ है। आमजन की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि नगर निगम द्वारा साफ किए गए स्थान को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रदेश को स्वच्छ बनाने के लिए नगरीय निकायों के साथ-साथ आमजन को भी आगे आना पड़ेगा। बदल रहे उत्तर प्रदेश के साथ सभी नागरिकों को कदमताल करते हुए अपना नागरिक होने का धर्म निभाना होगा। कचरा निस्तारण के प्रति सजग एवं जागरूक होना होगा।

10 'नगर सुशोभन' से नगरीय सौंदर्य में लगे चार चांद

'प्रतिबद्ध' अभियान की समाप्ति के बाद प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा के निर्देश पर जन-सामान्य को स्वच्छ एवं स्वस्थ नगरीय परिवेश उपलब्ध कराने के लिए पांच दिसंबर से 12 दिसंबर, 2022 के बीच 'नगर सुशोभन अभियान' चलाया गया। इस दौरान सभी नगरीय निकायों में साफ किए गए कूड़ा स्थलों को सुंदर एवं भव्य बनाकर जनोपयोगी बनाते हुए स्वच्छता को स्थाई एवं टिकाऊ बनाया गया। इस अभियान का लक्ष्य शहरों की सुंदरता को बदरंग करने वाले गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट (जीवीपी) को समाप्त कर उन स्थानों को सेल्फी प्वाइंट, पार्क एवं नेकी की दीवार जैसे जनउपयोगी स्थान के रूप में तब्दील करना था। 75 घंटे के इस महाअभियान में 361 स्थानों पर जीवीपी को समाप्त कर सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित किया गया। जबकि 1478 स्थान ऐसे रहे जहां वर्षों से जमा कचरे के ढेर को समाप्त करते हुए नगरीय निकायों द्वारा पौधरोपण कर उन्हें पार्क के रूप में विकसित किया गया। 168 स्थानों पर आकर्षक एवं संदेशात्मक वॉल पेंटिंग कराई गई। गंदगी के लिए पहचाने जाने वाले ऐसे 104 स्थानों को फूड कोर्ट/ वेंडिंग जोन के रूप में विकसित किया गया। यह स्थान अब रोजगार का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इतना ही नहीं मानवता की मिसाल पेश करते हुए 513 ऐसे स्थानों पर नेकी की दीवार स्थापित की गई। जहां आमजन दूसरों की मदद के लिए कपड़े एवं पुस्तकें इत्यादि बहुतायत में रख रहे हैं।

361 स्थानों को सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित किया गया।

104 स्थानों को वेंडिंग जोन के रूप में विकसित किया गया।

1478 स्थानों पर पौधरोपण कर पार्क के रूप में विकसित किया गया।

513 स्थानों को नेकी की दीवार के रूप में विकसित किया गया

11 'यूपी ग्लोबल सिटी' अभियान:

प्रदेश के नगरों को Good to Great बनाने के प्रयास के तहत G20 सम्मेलन वाले प्रदेश के चार शहरों, लखनऊ, आगरा, वाराणसी व नोएडा के सौंदर्यीकरण के लिए 100 दिवसीय विशेष अभियान शुरु किया गया। इस अभियान के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की अमिट छाप छोड़ने के उद्देश्य से नगरों की साफ-सफाई एवं सज्जा तथा लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित की गई। बैठक में शामिल होने आए विदेश मेहमानों ने उत्तर प्रदेश के नगरों की साफ-सफाई व्यवस्था की जमकर तारीफ की। निगमों की ओर से नगरों की साज-सज्जा के वक्त स्वच्छता एवं पर्यावरण अनुकूलता का विशेष ध्यान रखा गया। चौराहों को रंग-बिरंगे पौधों से संवारा गया वहीं जगह-जगह पर पर कबाड़ से जुगाड़ पद्धति पर आधारित आकर्षक कलाकृतियों से नगरीय सौंदर्यता में चार चांद लगाए गए। भारतीय संस्कृति के गौरवशाली इतिहास को पेशेवर कलाकरों द्वारा दीवारों पर

बखूबी उकेरा गया है। राजधानी लखनऊ समेत जी-20 की बैठकों के लिए चयनित शहरों के शहरवासियों को विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिए जागरूक भी किया गया। जिसके फलस्वरूप सभी शहरवासियों ने मेहमानों पर फूल बरसा कर उनका स्वागत किया। जिससे विदेशी मेहमान गदगद हो गए।

12 ढाबा संचालकों को स्वच्छ ढाबा अभियान से किया गया जागरूक

ढाबों में पहुंचने वाले राहगीर होंगे स्वच्छता के प्रति जागरूक

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय 2.0 के तहत यूपी को स्वच्छ बनाने के लिए नगर विकास विभाग द्वारा पांच जनवरी को स्वच्छ ढाबा अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत मुख्य मार्गों पर संचालित ढाबा अथवा रेस्टोरेंट से प्रतिदिन भारी मात्रा में निकलने वाले अपशिष्ट को वैज्ञानिक विधि से स्वतः निस्तारित करने के प्रति प्रेरित किया गया। निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि ढाबा संचालकों को प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले कचरे के वैज्ञानिक विधि से निस्तारण के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छ ढाबा अभियान की शुरुआत की गई। बताया कि अभियान के तहत निकायों में संचालित ढाबों अथवा रेस्टोरेंटों का निरीक्षण एक विशेष टीम द्वारा

किया गया। जिसके बाद रेटिंग के आधार पर प्रतिष्ठानों को पुरस्कृत किए जाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ ढाबा अभियान के जरिए एक ओर जहां ढाबों में स्वच्छता सुनिश्चित हुई वहीं दूसरी ओर इन ढाबों अथवा रेस्टोरेंटों पर भारी संख्या में पहुंचने वाले राहगीर भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए।

13 स्वच्छ विरासत अभियान से निखर उठे ऐतिहासिक स्थल

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में स्थित ऐतिहासिक स्थलों एवं इमारतों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश द्वारा 14 जनवरी से स्वच्छ विरासत अभियान शुरु किया गया। अभियान की शुरुआत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐतिहासिक घंटाघर से पतंग महोत्सव के आयोजन के साथ की गई। इस अवसर पर निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा, महापौर संयुक्ता भाटिया व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में आमजन मौजूद रहे। 10 दिनों तक चलने वाले इस

गौ पूजन के साथ हुआ अभियान का समापन

अभियान का समापन उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस (24 जनवरी) को किया गया।

विशेष सचिव नगर विकास विभाग डॉ. राजेन्द्र पेंसिया ने नादरगंज स्थित कान्हा उपवन में गौ-पूजन के साथ स्वच्छ विरासत अभियान का समापन किया। उन्होंने कहा कि घरों से निकालकर सड़कों पर फेंका जाने वाला कूड़ा गोवंश के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। इसके अतिरिक्त सिंगल यूज प्लास्टिक को कम से कम इस्तेमाल में लाये जाने की अपील करते हुए उन्होंने इसके दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने कूड़ा पृथक्कीकरण पर जोर देते हुए कहा कि कचरे को अलग-अलग कर हम आसानी से उसका निस्तारण सुनिश्चित कर सकते हैं। कहा कि हमें अपनी विरासत को सहेजने के लिए आगे आना होगा और ऐसे स्थानों को स्वच्छ बनाना होगा।

14 स्वच्छ माघ मेला

प्रयागराज के संगम तट पर लगने वाला आस्था का महामेला 'माघ मेला' (6 जनवरी-6फरवरी) जैसे विराट आयोजन को स्वच्छता के साथ संपन्न कराने में सफलता हासिल की। नगर निगम ने इस आयोजन को सिंगल यूज प्लास्टिक रहित करते हुए जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में संपन्न कराया। इस उपलब्धि के लिए नगर निगम प्रयागराज को इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। मेला में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को स्वच्छता प्रहरियों द्वारा पर्यावरण बचाने के लिए जागरुक करने के साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया।

CERTIFICATE
of
Single Use Plastics Free & Zero Waste Event

MAGH MELA - 2023

15 फिरोजाबाद महोत्सव: जीरो वेस्ट इवेंट बनाने के लिए मिला पुरस्कार

फिरोजाबाद के ऐतिहासिक फिरोजाबाद महोत्सव (27 जनवरी से 5 फरवरी 2023) को जीरो वेस्ट इवेंट की तर्ज पर मनाया गया। महोत्सव स्थल को जीरो वेस्ट एवं सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री घोषित किया गया। सफाई सुनिश्चित करने के लिए 55 सफाई कर्मियों की तैनाती की गई। महोत्सव स्थल पर ही कूड़े का पृथक्कीकरण सुनिश्चित किया गया। 10 दिन के महोत्सव के दौरान करीब 920 किलोग्राम कूड़े का निस्तारण किया गया। इस उपलब्धि के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र द्वारा नगर निगम को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

CERTIFICATE
of
Single Use Plastics Free & Zero Waste Event

16 जीरो वेस्ट IPL : लखनऊ को मिला पुरस्कार

लखनऊ में आयोजित आईपीएल मच को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाया गया। नगर निगम लखनऊ की ओर से स्वच्छता की दृष्टि से सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई। दर्शकों को प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिए जागरुक किया गया। मैच के दौरान निकलने वाले कूड़े का पृथक्कीकरण कर रिलाइकलर्स को भेजा गया। गीले कचरे का ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर के माध्यम से प्रसंस्करण किया गया। इस उपलब्धि के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र द्वारा नगर निगम को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

CERTIFICATE
of
Single Use Plastics Free & Zero Waste Event

This is to certify that
International Cricket Match (India Vs New Zealand)
"Single Use Plastics Free & Zero Waste Event"
Dr Kuldeep Singh
Dr Ashok Chauhan
INSTITUTE OF SUSTAINABLE DEVELOPMENT, KURUKSHETRA

17 स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती: 5 वेस्ट नवाचारों को किया गया पुरस्कृत

प्रदेश में अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य को अत्यन्त प्रभावी बनाने एवं स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन नगरीय 2.0 के अन्तर्गत स्वच्छ टेक्नोलॉजी चैलेंज लॉन्च किया गया। इसे प्रभावी बनाने हेतु नगरीय निकायों के अन्तर्गत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सिटीजन एन0जी0ओ0, विद्यार्थी, सिटीजन ग्रुप्स, स्टार्टअप्स कम्पनी, शैक्षणिक संस्थान को सम्मिलित किया गया था। स्वच्छ टेक्नोलॉजी चैलेन्ज का मुख्य उद्देश्य था - सामाजिक समावेशन, जीरो डम्प (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट) प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट, पारदर्शिता (डिजिटल सक्षमता) इन थीम्स के अंतर्गत प्रभावी एवं कुशल प्रबंधन के साथ अच्छी टेक्नालॉजी का प्रयोग करने वाले उत्कृष्ट प्रतिभागियों (स्टार्टअप्स, एन.जी.ओ., आमंत्रित छात्र, सिटीजन ग्रुप्स इत्यादि) को चयनित किया गया। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में युवाओं, उद्यमियों ने इसमें प्रतिभाग किया। 5 वेस्ट नवाचारों को 21-21 हजार रुपये देकर पुरस्कृत भी किया गया।

18 10तकः घरों में कूड़े का पृथक्कीकरण किया गया सुनिश्चित

घरों में कूड़े का पृथक्कीकरण सुनिश्चित करने के लिए 1 फरवरी 2023 से प्रदेश में 10तक डोर टू डोर कैंपेन सुनिश्चित किया गया। स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन - (SWM) सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक विधि द्वारा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (SWM) हेतु सोर्स सेग्रीगेशन किया जाना अनिवार्य है उपरोक्त के दृष्टिगत प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे तक शत प्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन (source segregation) सहित पूर्णतया डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन सुनिश्चित कराने हेतु इसकी शुरूआत की गई। अभियान 01 फरवरी से 31 मार्च 2023 तक 03 चरणों (Pray Persuade Penalise) में चलाया गया है। इस दौरान घरों में सूखे और गीले कूड़े का पृथक्कीकरण करने के पश्चात शत प्रतिशत डोर टू डोर कलेक्शन सुनिश्चित किया गया। 4 मार्च 2023 से कूड़ा पृथक्कीकरण न करने पर जुर्माने तक की कार्रवाई शुरू की गई। इस अभियान के माध्यम से प्रदेशवासियों को कूड़ा पृथक्कीकरण के प्रति संवेदनशील बनाने में सफलता हासिल की गई।

19 GIS 2023 : निवेश से 3 लाख युवाओं को रोजगार का अवसर

GIS 2023 में नगर विकास विभाग को निवेश के अवसरों में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभाग ने 208 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। निवेशकों ने प्लास्टिक रीसाइकलिंग, वेस्ट टू एनर्जी ई-वेस्ट प्रबंधन, एकीकृत पर्यावरण स्वच्छता सेवाएं आवास एवं टाउनशिप प्रबंधन ई-वेहिकल निर्माण, स्मार्ट सिटी पार्किंग प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निवेश में रुचि दिखाई है। इस निवेश के माध्यम से प्रदेश के करीब 3 लाख युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

20 मिस्टर पीकू : सार्वजनिक स्थान में थूकने पर प्रदेश भर में हुई कार्रवाई

खुले में थूकने वालों को दिया गया मिस्टर पीकू का खिताब

लखनऊ। नगरीय निकायों द्वारा नगर सुशोभन के तहत कराए गए सौंदर्यीकरण की निरंतरता को बनाए रखने के लिए संपूर्ण उत्तर प्रदेश के सभी निकायों में 'थूकना मना है' अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने अथवा गंदगी करने पर जुर्माना लगाया गया। इतना ही नहीं थूक कर सुंदरता को बदरंग करने वालों को निकाय स्तर पर मिस्टर अथवा मिसेज पीकू के खिताब से नवाजा गया। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी निकायों में लाखों रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

अभियान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नगरों को 'Good to Great' बनाने के लिए 'नगर सुशोभन' अभियान के तहत कराए गए सौंदर्यीकरण की निरंतरता को बनाए रखने के लिए के सभी निकायों को 'थूकना मना है' अभियान में शामिल किया गया है। पहले इस अभियान में लखनऊ और आगरा को ही शामिल किया गया था। लेकिन फिर इसे प्रदेश भर में लागू किया गया। मिस्टर पीकू खिताब से नवाजने के पीछे की मंशा उन्हें उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

21 40 हजार महिलाओं को किया गया सम्मानित

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 10तक डोर टू डोर अभियान के अन्तर्गत वार्ड स्तर पर पूर्ण सहभागिता देकर उत्कर्ष प्रदर्शन करने वाली 3 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। निकाय स्तर 100 फीसद कूड़ा पृथक्कीकरण करने के साथ ही होम कम्पोस्टिंग व सोर्स सेग्रीगेशन के प्रति जन-जागरूकता में सहयोग करने वाली महिलाओं को प्रदान किया गया। प्रदेश भर में करीब 40000 महिलाएं सम्मानित की गई। यह महिलाएं अब स्वच्छता के क्षेत्र में women led sanitation के अन्तर्गत GFC influencer के रूप में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। करीब 40000 महिलाएं सम्मानित की गई। प्रदेश के सभी निकायों में महिलाओं को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया गया जिसमें गणमान्यजन उपस्थित रहे। स्वच्छता के लिए सम्मान पाकर महिलाओं के चेहरे पर खुशी साफ देखी गई।

22 'नवदेवी' सम्मान पाकर खिले महिलाओं के चेहरे

'स्वच्छोत्सव-2023' के तहत महिलाओं को किया गया सम्मानित

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश ने नवरात्री के अवसर पर स्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए नारी शक्ति को नवदेवी सम्मान से नवाजा। महिलाओं को यह सम्मान जिला एवं मंडल पर दिए गए। जल्द ही प्रदेश भर से चयनित महिलाओं को राज्य स्तर पर भी सम्मानित किए जाने की तैयारी है। वहीं महिलाओं ने इस सम्मान को पाकर कहा कि यह बहुत ही अच्छी पहल है।

इससे उनके भीतर स्वच्छता कार्य को और अच्छे से संपादित करने के लिए उत्साह का संचार होगा। राज्य मिशन निदेशक, श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि 30 मार्च तक 'स्वच्छोत्सव 2023' अभियान के तहत स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं को जिला एवं मंडल स्तर पर नवदेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अभियान से महिलाओं में उत्साह का संचार होगा। जिससे स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने के लिए महिलाएं बढ़-चढ़कर प्रोत्साहित होंगी। बताया कि महिलाओं को नवरात्रि के नौ स्वरूपों के आधार पर नौ श्रेणियों में विभाजित कर सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि कमजोर समझी जाने वाली महिलाएं आज कठिन माने जाने वाले क्षेत्रों में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। यह नारी शक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को जिला एवं मंडल स्तर पर सम्मानित करने के बाद राज्य स्तर पर सम्मानित इसलिए किया जाना है क्योंकि इससे संपूर्ण प्रदेश में एक सकारात्मक संदेश का प्रसार होगा और महिलाएं अधिक से अधिक स्वच्छता कार्यों के लिए जागरूक होंगी।

मुख्य सचिव ने की मशाल मार्च की अगुवाई

लखनऊ। जन-जन के बीच स्वच्छता की अलख जगाने के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र जी ने 30 मार्च को लखनऊ नगर निगम द्वारा स्मार्ट रूप में उच्चीकृत की गई हजरतगंज स्थित पार्किंग का शुभारम्भ करने पश्चात स्वच्छता मशाल मार्च निकाला। इस मार्च में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा समेत तमाम उच्च अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जुलूस के अंत में मुख्य सचिव महोदय द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के दायित्व के साथ मशाल को स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष श्री सुनील मिश्रा को सौंपा गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि नगरीय निकायों में माशल मार्च के जरिए जन-जन को

मुख्य सचिव ने हजरतगंज स्थित लखनऊ नगर निगम के स्मार्ट पार्किंग प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। स्थायी स्वच्छता के लिए आमजन की सहभागिता बहुत जरूरी है। वहीं इससे पहले मुख्य सचिव ने लखनऊ नगर निगम के हजरतगंज स्थित स्मार्ट पार्किंग प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। उन्होंने पार्किंग स्थल पर गो-उत्पादों के लगाए गए काउंटर पर जाकर उत्पादों के बारे में जानकारी भी ली। मुख्य सचिव ने कहा कि शहर की सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए समुचित पार्किंग अति आवश्यक है। हजरतगंज जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाके में स्मार्ट पार्किंग से आमजन को बहुत सहूलियत होगी।

23 7 दिनों में 75000 सीट शौचालयों का कायाकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की सीएम योगी की मंशा के अनुरूप स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश ने एक नई पहल की है। सीएम योगी के निर्देश पर मिशन ने सात दिवसीय '75000 सीट शौचालयों का कायाकल्प/जीर्णोद्वार' के लिए एक राज्यव्यापी अभियान चलाया। जिसके तहत प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अभियान चलाकर 24 से 30 मार्च के मध्य सामुदायिक, सार्वजनिक एवं पिंक शौचालयों का कायाकल्प किया गया। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने पीएम मोदी के स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश को स्वच्छ प्रदेश बनाने के लिए लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए योगी सरकार लगातार नए-नए कदम उठा रही है। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

नगर पालिका परिषद हमीरपुर

नगर पालिका परिषद समथर (झांसी)

7 दिनों में युद्धस्तर पर हुए मरम्मत कार्य

इस अभियान के विषय में राज्य मिशन निदेशक, नेहा शर्मा ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में बेहतर अंक पाने के साथ ही नागरिकों को स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराने के दृष्टिगत सात दिवसीय '75000 सीट शौचालयों का कायाकल्प/जीर्णोद्वार' अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत नगरीय निकायों में स्थित ऐसे सामुदायिक, सार्वजनिक एवं पिंक शौचालय जिन्हें मरम्मत आदि की आवश्यकता थी, उन्हें चिन्हित कर सात दिन के भीतर उनका कायाकल्प किया गया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के नगरीय क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही इन अभियानों में जनभागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। स्थायी स्वच्छता के लिए जन सहभागिता बेहद जरूरी है, इसलिए आमजन को अभियानों से ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य

- सार्वजनिक शौचालयों की स्वच्छता और स्वच्छता मानक में सुधार करना।
- स्वच्छ सर्वेक्षण - 2023 के दौरान निकायों के साथ-साथ प्रदेश की बेहतर रैंकिंग हासिल करना।
- मौजूदा सीटी / पीटी को सबसे साफ शौचालय में बदलना।
- सार्वजनिक शौचालयों में स्वच्छता और साफ-सफाई के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- सभी सीटी / पीटी में ओडीएफ मानकों का निर्धारण सुनिश्चित करना।.
- आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करने और कचरे को उचित स्थान पर निस्तारित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सीटी / पीटी शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करना, जिसमें सफाई का समय निर्धारित करना और ओडीएफ मापदंडों के अनुसार साबुन, टॉयलेट पेपर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है।
- सफाई अभियान में स्थानीय व्यापारियों, सरकारी एजेंसियों और सामुदायिक संगठनों को सम्मिलित करना।